सुनील वाल्सन ने 1983 विश्व कप की जीत को एक बार फिर से किया याद

नयी दिल्ली। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

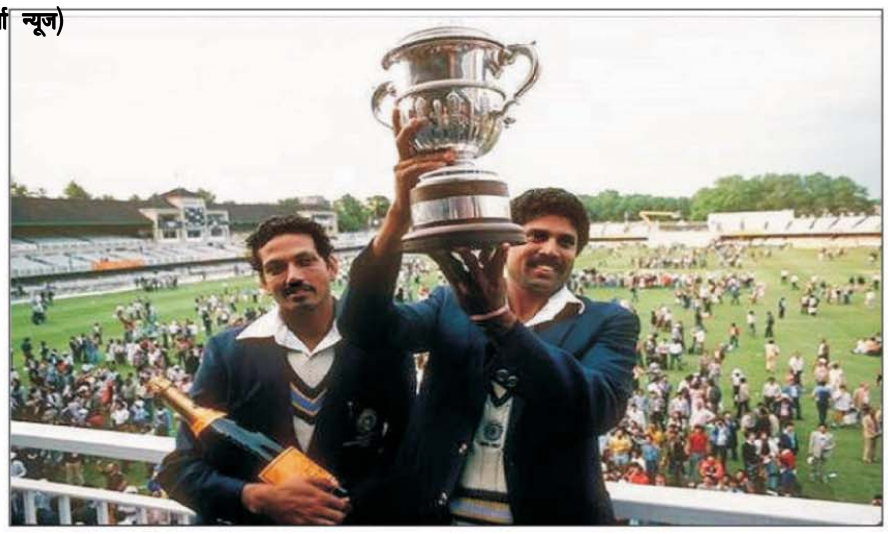

पूर्व तेज गेंदबाज सुनील वाल्सन ऐतिहासिक 1983 विश्व कप खिताबी जीत दर्ज करने वाले भारतीय दल में एक भी मैच नहीं खेलने वाले एकमात्र सदस्य थे लेकिन इसके बावजूद वह भावनात्मक रूप से टीम से मजबूत जुड़ाव महसूस करते हैं। इंग्लैंड में विश्व कप के शुरूआती मैच से 12 दिन पहले जब उन्हें फोन किया गया तो वह फोन करने का कारण जानते थे। वह हमेशा इस पर मजाक भी उड़ाते हैं, हालांकि इसमें कोई व्यंग्य नहीं था। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि हर चार साल में मुझे फोन (इंटरव्यू के लिये) किया जाता है। वह 1983 फ्रुडेंशियल विश्व कप की यादों को ताजा करने के लिये तैयार थे। यह पूछने कि क्या उन्हें इस बात से दुख होता है कि वह 14 में से एकमात्र खिलाड़ी ऐसे थे जो उस विश्व कप में नहीं खेले थे ?मैंने कीर्ति (आजाद) को फोन किया वो भी क्लब क्रिकेट खेल रहे थे और उन्होंने इसकी पुष्टि की। लेकिन मैं जानता था कि अंतिम एकादश में जगह बनाना मुश्किल होगा। वह आस्ट्रेलिया और एक काउंटी टीम के खिलाफ दो अभ्यास मैचों में खेले थे। वाल्सन ने कहा कि हमने दोनों मैच गंवा दिये और एक कमजोर काउंटी टीम के खिलाफ था। तब प्रेस कवरेज भी कम होती थी, हमने विश्व कप के पहले मैच में वेस्टइंडीज को हरा दिया और सब कुछ बदल गया। क्या उन्हें कप्तान कपिल देव से कोई संकेत नहीं मिला कि वह कम से कम एक मैच तो खेल सकते हैं ?उन्होंने कहा कि हां, एक मैच था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा राउंड रोबिन मैच जो हम (66 रन से) हार गये थे। मुझे मैदान (ओवल) याद नहीं। वाल्सन ने याद करते हुए कहा कि अगर मुझे सही से याद है तो रोजर को कुछ हल्की सी चोट थी (हैमस्ट्रिंग या पिंडली की), मुझे अच्छी तरह याद नहीं। कपिल ने कहा कि अगर रोजर फिटनेस परीक्षण में विफल होता है तो मैं खेलूंगा। इतने से मौके के लिये कौन उत्साहित नहीं हो जाता। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ क्योंकि बिन्नी फिट रहे।उन्होंने कहा कि तब फिटनेस परीक्षण में जांगिंग का एक राउंड, थोड़ा सा दौड़ना और कुछ गेंद शामिल होती थी। जैसे ही रोजर ने भागना शुरू किया, मुझे पता था मैं नहीं खेलूंगा। रोजर अच्छी फार्म में था और ठीक भी था कि कपिल, रोजर और मदन सभी मैचों में खेले। उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे मैदान में जाने का मौका मिला क्योंकि दिलीप वेंगसरकर को मैल्कम मार्शल की गेंद लग गयी थी और मैं उन्हें ड्रेसिंग रूम में ले जाने के लिये गया था। मैल्कम 1983 में अविश्वसनीय थे। हमनें किसी को इतनी तेज गेंदबाजी करते हुए कभी नहीं देखा था।

World Cup 2019: बेटी की मौत के चंद घंटे बाद विश्व कप की टीम में चुना गया पाकिस्तानी क्रिकेटर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली: किसी भी क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना विश्व कप (World Cup 2019) खेलना और विश्व चैंपियन बनना होता है. जाहिर है जब किसी क्रिकेटर को विश्व कप की टीम में चुने जाने की खबर मिलती है ,तो वह उसकी जिंदगी का यादगार पल होता है. वह उसकी जिंदगी का सबसे खुशहाल पल होता है. लेकिन जरूरी नहीं कि ऐसा सबके साथ हो. पाकिस्तान के आसिफ अली (Asif Ali) को ही लीजिए. उन्हें विश्व कप टीम में चुने जाने की खबर तब मिली, जब वे अपनी जिंदगी का सबसे बड़े गम झेल रहे थे.

27 साल के आसिफ अली मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं. पाकिस्तान ने उन्हें विश्व कप के लिए घोषित शुरुआती टीम में नहीं चुना था. हालांकि, उन्हें इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह दी गई थी. आसिफ अली ने इस सीरीज में दो तेजतर्रार अर्धशतक लगाए. हालांकि, पाकिस्तान के पांचों वनडे मुकाबले हार जाने के कारण उनकी पारियों का ज्यादा जिक्र नहीं हुआ. उन्होंने रविवार को खेले गए पांचवें वनडे में 22 रन बनाए.

आसिफ अली जब इंग्लैंड में क्रिकेट खेल रहे थे, तब उनकी बेटी नूर फातिमा कैंसर से जंग लड़ रही थी. उन्हें चौथी स्टेज का कैंसर था. दो साल की नूर रविवार (19 मई) को कैंसर से यह जंग हार गईं. आसिफ बेटी की मौत की खबर मिलते ही इंग्लैंड से अमेरिका जाने के लिए तैयारी करने लगे. लेकिन किस्मत का खेल अब भी जारी था. वे अमेरिका रवाना होते, इससे पहले ही यह खबर आ गई कि आसिफ अली को विश्व कप की टीम में चुन लिया गया है. उन्हें ओपनर आबिद अली की जगह टीम में जगह दी गई है.

आसिफ को चुनना मुश्किल फैसला था- इंजमाम पाकिस्तानी टीम के मुख्य चयनकर्ता इंजमाम उल हक ने कहा, 'आबिद अली (ड्डह्वस्र द्यद्व) की जगह आसिफ को चुनना मुश्किल फैसला था. हमें मध्यक्रम में, खासकर छठे-सातवें क्रम में पावर-हिटर की जरूरत थी. आसिफ ने इंग्लैंड में ऐसी दो पारियां खेलीं. उनकी इन्हीं पारियों ने विश्व कप के लिए हमें विकल्प दे दिया. आसिफ अली 16 वनडे और 20 टी20 मैच खेल चुके

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहले मैच में कोरिया को 2-1 से हराया

जिंचियोन। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भारतीय महिला हॉकी टीम ने तीन मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला के पहले मैच में मेजबान दक्षिण कोरिया को 2 . 1 से हरा दिया। युवा स्ट्राइकर लालरेम्सियामी ने 20वें और नवनीत कौर ने 40वें मिनट में गोल दागे । दक्षिण कोरिया के लिये शिन हेजेयोंग ने 48वें मिनट में गोल किया। इस साल की शुरूआत में स्पेन और मलेशिया के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम की शुरूआत मजबूत रही । पहले क्वार्टर में पेनल्टी कार्नर चूकने के बाद भारत ने 20वें मिनट में फील्ड गोल पर बढत बनाई। भारत की बढत नवनीत ने 40वें मिनट में दुगुनी की।

दक्षिण कोरिया को मैच में पांच पेनल्टी कार्नर मिले और आखिरी क्वार्टर में पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिनमें से 48वें मिनट में एक ही पर गोल हो सका ।भारतीय गोलकीपर सविता ने शानदार प्रदर्शन किया ।

कोच जस्टिन लैंगर की गेंदबाजों को सलाह, सपाट पिचों पर गेंदबाजी के लिए चमड़ी मोटी करो

लंदन। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ऑस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि विश्व कप के दौरान इंग्लैंड की सपाट पिचों और तेज आउटफील्ड पर अच्छे प्रदर्शन के लिये गेंदबाजों को चमड़ी मोटी करनी होगी। हाल ही में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच वनडे श्रृंखला में लगभग हर मैच में 350 का स्कोर बना। लैंगर ने कहा कि गेंदबाजों को बड़ा स्कोर बनने से रोकने की जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा कि आजकल सफेद गेंद से क्रिकेट में बल्लेबाजी को लेकर काफी बात हो रही है। हमारी गेंदबाजी टी20 और वनडे क्रिकेट में शानदार है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आपको चमड़ी मोटी रखनी होगी, खासकर सपाट पिचों और तेज आउटफील्ड पर।

इसे भी पढ़ें- जस्टिन लैंगर ने कहा, इंग्लैंड में डटकर सामना करने को

तैयार है वॉर्नर और स्मिथ

लैंगर ने विश्व कप टीम से जोश हेजलवुड को बाहर रखने के फैसले का भी बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने हाल ही में ज्यादा वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। पांच बार की चैम्पियन आस्ट्रेलियाई टीम तीन अभ्यास मैच खेलेगी। पहला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को है जो आधिकारिक मैच नहीं होगा। आखिरी अभ्यास मैच में उसे श्रीलंका से खेलना है जबकि इससे पहले इंग्लैंड से एक अभ्यास मैच होगा। विश्व कप में उसका पहला मुकाबला अफगानिस्तान से है। लैंगर ने कहा कि विश्व कप से पहले अभ्यास मैच अहम होंगे। उन्होंने कहा कि हमने सत्र के आखिर में पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा खेला। अब हमें फिर से उसी लय को हासिल करना है। इसके लिये तीन अभ्यास मैच काफी अहम होंगे।